अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2018) | दिनांक 30.08.2018

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : आस्त्रव, संवर – 50

प्र.1 किन्ही आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें – 16

(आस्त्रव : किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(क) दशवैकालिक सूत्र के दसवें अध्ययन में भिक्षु किसे कहा गया है?

(ख) योग के तीन भेदों में वचनयोग को परिभाषित करें।

(ग) भाष्य के अनुसार असत् के तीन अर्थ कौन से हैं? किसी एक अर्थ की परिभाषा लिखें।

(घ) पच्चक्खाणेणं आसवदाराइं निरूभइ का क्या अर्थ है?

(ङ) सम्यक्त्व क्रिया आश्रव का क्या तात्पर्य हैं?

(च) प्रेक्षा असंयम किसे कहते हैं? (छ) अध्यवसाय किसे कहते हैं?

(ज) आ. भिक्षु ने आश्रवद्वारों को संपुष्ट करने के लिए कौन कौन से आगमों का आधार ढाल नं.–1 में लिया।

(संवर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(झ) नैषेधिकी परीषह किसे कहते हैं? (ञ) धर्म अनुप्रेक्षा से आप क्या समझते हैं?

(ट) उत्तम शौच से आप क्या समझते हैं?

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) आश्रव – क्या सावद्य योगों से पुण्य लगता हैं? <u>अथवा</u> आचार्य भिक्षु ने योग को जीव किस प्रकार सिद्ध किया हैं?

(ख) संवर – क्षायोपशमिक, औपशमिक और क्षायिक चारित्र की तुलना करें? <u>अथवा</u> क्या योग को छोड़कर शेष उन्नीस आश्रवों को जीव जब इच्छा हो तब छोड़ सकता हैं?

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखिए – 24

(क) आश्रव–सिद्ध करें कि कर्म और आश्रव भिन्न–भिन्न हैं? <u>अथवा</u> शुभ योग ही संवर है तथा शुभ योग ही सामायिक आदि पांचों चारित्र है। इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु के मत को स्पष्ट करें।

(ख) संवर–प्राणातिपात आदि पन्द्रह आश्रव योगाश्रव के भेद हैं, तो फिर प्राणातिपात विरमण आदि पन्द्रह संवर विरति संवर के भेद क्यों हैं? <u>अथवा</u> समिति के भेदों का उल्लेख करते हुए बताऐं कि क्या समिति संवर हैं?

अवबोध :– 30

प्र.4 किन्ही छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक या दो लाईन में लिखें – 6

(क) निदान कृत व्यक्ति को चारित्र आ सकता है? (ख) सग्रह दान व कारुण्य दान किसे कहते हैं? (ग) क्या क्षायक सम्यक्त्वी उपशम श्रेणी पर चढ़ सकता हैं?

(घ) ज्ञान पांच हैं, अज्ञान तीन, ऐसा क्यों? (ङ) क्या ज्ञान की उपलब्धि क्षयोपशम से होती हैं? (च) क्या नारक जीवों के सम्यक्त्व होती है?

(छ) अनन्त कायिक जीव किस राशि के अन्तर्गत आते हैं? (ज) अकर्म भूमि के मनुष्य मर कर कहां जाते हैं?

Scanned by CamScanner

प्र.5 किन्ही छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – 12

(क) तिर्यंच श्रावक बारहव्रती होते हैं? (ख) क्या सम्यक्त्व चारों गतियों में प्राप्त हो सकती हैं? (ग) अन्य योनियों के जीव एक मुहुर्त्त में कितने जन्म–मरण कर सकते हैं? (घ) क्या कर्म भूमि क्षेत्रों में राजा प्रजा की व्यवस्था सदैव रहती हैं?

(ङ) ब्रह्मचर्य को तप क्यों कहा हैं? (च) श्रुतज्ञान व मनःपर्यवज्ञान के दर्शन क्यों नहीं? (छ) चारित्र की अल्पाबहुत्व का क्या क्रम हैं?

(ज) नौ दान लौकिक हैं, तो अधर्म दान का पृथक उल्लेख कैसे हुआ?

प्र.6 किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) चारित्र कौन से क्षेत्र में होता है तथा चारित्र में श्रुत ज्ञान कितना हो सकता हैं?

(ख) छप्पन अर्न्तद्वीप कहां हैं? (घ) अवधिज्ञान का क्षेत्र कितना हैं?

(ग) सम्यक्त्वी में चारित्र व शरीर कितने हैं?

श्रावक – संबोध – 20

प्र.7 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) जिस पद्य में सम्यक् दर्शन के लक्षण वर्णित हैं, वह पद्य लिखें।

(ख) जिस पद्य में श्रमणोपासक मद्दुक की प्रशंसा का वर्णन है, वह पद्य लिखें।

(ग) श्रावक के मनोरथों का जिसमें वर्णन है, वह पद्य लिखें।

(घ) सम्यक दर्शन की उपलब्धि होने पर जब अज्ञान भी ज्ञान में परिवर्तित हो जाता है, उसे पद्य का रुप दें।

(ङ) जिसमें भावनारुपी नौका से संसार सागर को पार करने का वर्णन वर्णित हैं, वह पद्य लिखें –

(च) पंचास्तिकाय का वर्णन–जो जड़ व चेतन के लिए उपयोगी हैं, वह पद्य लिखें –

प्र.8 किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में दें – 8

(क) तत्प्रतिरुपक व्यवहार–यह किस व्रत के अंतर्गत आता है, और इस शब्द का क्या अर्थ हैं?

(ख) विलय की तीन अवस्थाएं कौन सी हैं और उनसे क्या प्राप्त होता हैं?

(ग) श्रावक जो ग्यारह प्रतिमाओं को धारण करते हैं, उसमें प्रतिमा का क्या अर्थ है तथा इनका वर्णन किन आगमों में उपलब्ध हैं?

(घ) बचें अनावश्यक हिंसा से– इस पद्य में जो हिंसा के अल्पीकरण के प्रयोग बताए गए हैं उन्हे वर्णित करें।

(ङ) आगार धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति के लिए शास्त्रों में कौन से चार शब्द प्रयुक्त हुए हैं? तथा वह किस कारण से उपासक कहलाता हैं?

(च) श्रमणोपासक की श्रेणी किसके द्वारा निरुपित हैं? तथा इसका आधुनिकतम संस्करण क्या हैं?

Scanned by CamScanner